प्रकाशन का 47 वां वर्ष

सरोकारी पत्रकारिता के लिए समर्पित

शैल

निष्पक्ष एवं निर्भीक साप्ताहिक समाचार

ई – पेपर

www.facebook.com/shailsamachar

प्रदेश का पहला ऑनलाईन साप्ताहिक

वर्ष 47 अंक – 4 पंजीकरण आरएनआई 26040/74 डाक पजींकरण एच. पी./93 /एस एम एल Valid upto 31-12-2023 सोमवार 17 – 24 जनवरी 2022 मूल्य पांच रूपए

सरकार की असफलताओं के लिए जिम्मेदार कौन-मंत्री या स्वयं मुख्यमंत्री-पार्टी में उठी चर्चा

- जिनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा उनके टिकट कटने की बढ़ी संभावनाएं
- सरकार की असफलता के लिए अधिकारियों पर भी होने लगा दोषारोपण
- नेतृत्व पर भारी पड़ सकती है यह चर्चाएं

शिमला/शैल। जयराम सरकार के इस कार्यकाल का यह अंतिम वर्ष चल रहा है। इस अंतिम वर्ष के लिए वार्षिक योजनाओं का भी आकार तय हो गया है। विधायकों से उनकी प्राथमिकताओं को लेकर बैठकें भी हो चुकी हैं। स्वाभाविक है कि आने वाला बजट चुनावी वर्ष का बजट होगा और उसमें हर वर्ग के लिए घोषणाओं का पिटारा होगा। यह घोषणायें भविष्य के लिए होती हैं और चुनाव इसी वर्ष के अंत में होने हैं तो उसके लिए आचार संहिता भी जल्द ही लागू हो जायेगी और उसी अनुपात में इन घोषणाओं के जमीन पर उतरने की जिम्मेदारी से सरकार बच जायेगी। इस परिदृश्य में यह आवश्यक हो जाता है कि मतदाता सरकार का आकलन करने के लिए इन चार वर्षो में की गई घोषणाओं पर हुये अमल को मानक बनाये। इसके लिए हर बजट में की घोषणाओं की सूची और सरकार की कुल आय का आंकड़ा हर समय सामने रखना होगा। क्योंकि सरकार के सारे खर्च उसकी आय और उसके द्वारा लिये गये कर्जो पर ही निर्भर करते हैं। इसमें यह भी ध्यान में रखना आवश्यक है की सरकार केवल विकास कार्यो के लिए ही कर्ज ले सकती हैं। जिससे भविष्य में आय के स्थाई साधन निर्मित हो सके। प्रतिबद्ध खर्चो की पूर्ति के लिए कर्ज लेने का नियमों में कोई प्रावधान नहीं है। सरकार जो पूंजीगत प्राप्तियां बजट दस्तावेज में दिखाती है वह शुद्ध रूप से कर्ज होता है और बजट दस्तावेज में कोष्ठक में लिखा भी जाता है। इस तरह सरकार के कुल बजट का 50% से भी अधिक कर्जो पर आधारित है और इसी के कारण प्रदेश लगातार कर्ज में डूबता जा रहा है। जो आने वाले समय के लिए भयानक समस्या खड़ी कर देगा। कैग रिपोर्ट यह सामने ला चुकी है कि विकास के नाम पर लिये जाने वाले कर्ज का वास्तव में एक भी पैसा विकास पर खर्च करने के लिये सरकार के पास नहीं बचा था बल्कि माईनस में चला गया था। यह स्थिति लगातार बनी हुई है। इस सरकार में इसकी गति और बढ़ गयी है। क्योंकि कोरोना की आड़ में कर्ज लेने की सीमा 3% से बढ़कर 5% कर दी गयी। लेकिन इसके बावजूद यह सरकार 96 जनहित की योजनाओं पर एक पैसा तक खर्च नहीं कर पायी है। धर्मशाला सत्र के दौरान आयी इस कैग रिपोर्ट पर यह सरकार अभी तक प्रदेश की जनता के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं कर पायी है। जबकि हर समाचार पत्र में यह खबर प्रमुखता के साथ छपी है। बढ़ते कर्ज से महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ती है यह कड़वा सच है।

इस सरकार ने जब पहला बजट पेश किया था तब कर्ज जो विरासत में मिला था तब उसका करीब 46 हजार करोड सदन में बताया था जो आज बढ़कर करीब 70 हजार करोड़ हो गया है। ऐसे में यह सवाल बनता है कि जब 96 योजनाओं पर एक पैसा तक खर्च नहीं किया गया तो फिर यह कर्ज कहां खर्च किया। इस सत्र में यह जानकारी भी दी गयी है कि अब तक यह सरकार केवल 23000 लोगों को ही नौकरियां दे पायी है। जबकि इस दौरान सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों का आंकड़ा ही इससे अधिक है। इस दौरान सरकार द्वारा दी जाने वाली हर सेवा के दाम बढ़ाये गये। इसका पता हर वर्ष बढ़े कर और गैर कर राजस्व से लग जाता है। भ्रष्टाचार के मामलों में सरकार अदालतों के फैसले भी लागू नहीं कर पायी है। कसौली गोलीकांड का कारण बने अवैध निर्माणों पर टीसीपी और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लोगों को नामत: चिन्हित करके उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये थे जिन पर आज तक अमल नहीं हुआ है। बल्कि कुछ लोगों को तो उनके वरिष्ठों को नजर अन्दाज करके पदोन्नत तक कर दिया गया है। इस तरह प्रताड़ित हुए लोग नौकरियों से त्यागपत्र देने पर मजबूर हुए हैं क्योंकि मुख्यमंत्री उन्हें इंसाफ नहीं दे पाये हैं। स्व. वीरभद्र सिंह की सरकार पर रिटायर्ड और टायर्ड लोगों के हावी होने का जो आरोप भाजपा लगाती थी उसी में यह सरकार दो कदम और आगे बढ़ गयी है। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग अपनी निष्पक्षता का सरेआम राजनेताओं से अपने रिश्तो का प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार उनके आगे मुक दर्शक बनकर बैठी हुई है। अदालतों का कितना सम्मान यह सरकार करती है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद आज तक लोक सेवा आयोग के सदस्यों और अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए नियम नहीं बना पायी है।

एनजीटी के आदेशों की अनुपालन में यह सरकार किस तरह असफल रही है यह खुलासा पहले ही पाठकों के सामने रखा जा चुका है। रोचक तो यह है कि सितंबर 2018 में राजकुमार राजेंद्र सिंह बनाम एस जे वी एन एल मामले में आये फैसले पर यह सरकार आज तक अमल नहीं कर पायी है। जबकि फैसले के मुताबिक दो माह में यह रिकवरी होनी थी। इससे कई करोड़ सरकार के खजाने में आने थे। पिछली सरकार ने जिस स्कूल वर्दी घोटाले के सप्लायरों के करोड़ों रुपयों का भुगतान बतौर जुर्माना रोक दिया था। इस सरकार ने आते ही वह सारा पैसा सप्लायर को लौटा दिया। विभाग ने इस मामले को उच्च न्यायालय में ले जाने की फाइल चलाई लेकिन ऊपर के निर्देशों से ऐसा नहीं हो पाया और सरकार को करोड़ों का नुकसान हो गया। जिन अधिकारियों ने खेल खेला वह आज मुख्यमंत्री के अति विश्वस्तों में शामिल हैं। दर्जनों ऐसे मामले हैं जहां सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया गया है।

ऐसे में यह सवाल उठ रहे हैं कि सरकार की असफलताओं के लिये किसे जिम्मेदार ठहराया जाये। सरकार के मंत्रियों को अधिकारियों को या स्वयं मुख्यमंत्री को। पिछले दिनों जब शिमला के बाद धर्मशाला में कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक हुई थी और नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा उछला था तब यह चर्चा उठी थी कि आने वाले चुनाव में कई विधायकों/पूर्व विधायकों और मंत्रियों के टिकट कटेंगे। तबसे उठी यह चर्चा मीडिया के कुछ वर्गो में यह शक्ल ले रही है कि मुख्यमंत्री को असफल करने के लिये सरकार के कुछ मंत्री और संगठन के पदाधिकारी जिम्मेदार हैं। जबकि कुछ सरकार से बाहर बैठे मुख्यमंत्री के सलाहकारों को इसके लिये जिम्मेदार मान रहे हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि आने वाले दिनों में भाजपा के अंदर यह एक अहम मुद्दा होगा कि सरकार की असफलताओं के लिये किसे जिम्मेदार माना जाये। क्योंकि यह सभी मान रहे हैं कि सरकार हर मोर्चे पर असफल रही है। इस सरकार की बजटीय घोषणाओं पर ही नजर डाली जाये तो इसके अधिकांश मंत्री उनके विभागों से जुड़ी घोषणाओं पर ही कुछ कहने की स्थिति में नहीं है।

मुख्यमंत्री ने अपना कांगड़ा ऐप और अपना कांगड़ा हैम्पर का शुभारम्भ किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने धर्मशाला से अपना कांगड़ा ऐप और अपना कांगड़ा हैम्पर (स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पाद) का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांगड़ा हैम्पर में कांगड़ा जिले के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों का संग्रह होगा, जबकि अपना कांगड़ा ऐप के माध्यम से पर्यटकों को कांगड़ा जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों का पता लगाने में सहायता मिलेगी और उनके लिए यह एक अनूठा अनुभव होगा।

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला से कांगड़ा जिले के ज्वालामुखी विधानसभा क्षेत्र के लुथान में राधाकृष्ण गौ अभ्यारण्य का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

धर्मशाला के लोगों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार का पहला निर्णय 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वृद्धावस्था पेंशन प्रदान करने पर लक्षित था, जबकि दूसरा निर्णय बेसहारा पशुओं के लिए राज्य में विभिन्न स्थानों पर गौ अभ्यारण्यों और गौ सदनों के निर्माण का था। प्रदेश सरकार ने शराब की बोतल पर एक रुपये का उपकर लगाने का भी फैसला किया है और इस धनराशि का उपयोग गौ अभ्यारण्यों एवं गौ सदनों के प्रभावी प्रबंधन एवं संचालन पर किया जा रहा है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि उन्होंने हाल ही में शिमला जिले के सुन्नी में 500 गायों को रखने की क्षमता वाला एक गौ अभ्यारण्य समर्पित किया। लुथान में गौ अभ्यारण्य में एक हजार गायों को रखने की क्षमता होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गौ सदनों को प्रति गाय 500 रुपये प्रति माह प्रदान कर रही है ताकि उनके लिए चारे की उचित व्यवस्था की जा सके। उन्होंने राज्य के लोगों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया कि मवेशियों को बेसहारा नही छोड़ें और यदि कोई मवेशियों को सड़क पर घूमते हुए देखता है, तो उसे गौ अभ्यारण्यों और गौ सदनों में भेजा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गौ अभ्यारण्य की स्थापना 3.96 करोड़ रुपये की लागत से की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न गौ अभ्यारण्यों में करीब 19 हजार मवेशी हैं।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर ने कहा कि मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के कुशल नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि राज्य की सभी सड़कें और गलियां बेसहारा पशुओं से मुक्त हों और उन्हें उचित आश्रय मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक सप्ताह के भीतर राज्य के लोगों को दो गौ अभ्यारण्य समर्पित किए हैं जो बेसहारा पशुओं को आश्रय देने के प्रति उनकी चिंता को दर्शाता है।

राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष रमेश चंद धवाला ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में गौ अभ्यारण्य का उद्घाटन करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उपायुक्त कांगड़ा डॉ. निपुण जिंदल ने अपना कांगड़ा ऐप पर प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि जिले में तीन कांगड़ा हाट बन रहे हैं। अपना कांगड़ा का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना और पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह ऐप होटल, होमस्टे, परिवहन, पेट्रोल पंप, आपातकालीन सेवाओं जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि अपना कांगड़ा ऐप जहां पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगी, वहीं ग्रामीण आबादी को सशक्त भी बनाएगी। यह कांगड़ा जिले के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बेचने के लिए ई-मार्केटिंग प्लेटफार्म प्रदान करेगी।

धर्मशाला स्काईवे रोपवे का लोकार्पण

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने जिला कांगड़ा में धर्मशाला से मैकलोडगंज तक धर्मशाला स्काईवे रोपवे का लोकार्पण किया। धर्मशाला शहर को मैकलोडगंज से जोड़ने वाले 1.8 किलोमीटर लंबे इस रोपवे का निर्माण 207 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

इस अवसर पर मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस रोपवे का निर्माण 2018 में शुरू किया गया था और इसे धर्मशाला रोपवे लिमिटेड और हिमाचल प्रदेश पर्यटन एवं नागरिक उड्यन विभाग द्वारा सार्वजनिक निजी भागीदारी परियोजना के रूप में डीएफबीओटी मोड के अन्तर्गत विकसित किया गया है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि यह रोपवे मैकलोडगंज की यातायात समस्या को हल करने में सहायक सिद्ध होगा और इससे पर्यटन को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह रोपवे एक घंटे में 1000 लोगों को एक दिशा में ले जाएगा और ट्रॉली को धर्मशाला से मैकलोडगंज पहुंचने में कुल पांच मिनट का समय लगेगा। इसमें 10 टावर और दो स्टेशन हैं। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना में मोनो केबल डिटेचेबल गोंडोलस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

राज्य नागरिक आपूर्ति निगम सीमित के निदेशक मंडल की 138वीं बैठक आयोजित

शिमला/शैल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजिन्द्र गर्ग की अध्यक्षता में राज्य नागरिक आपूर्ति निगम सीमित के निदेशक मंडल की 138वीं बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर राजिन्द्र गर्ग ने कहा कि निगम द्वारा वित्त वर्ष 2020-21 में कुल 1639 करोड़ रुपये का कारोबार किया गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 230 करोड़ रुपये अधिक है। वित्त वर्ष 2020-21 में निगम द्वारा 1.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

उन्होंने अधिकारियों को डिपो होल्डरों की आय बढ़ाने सम्बन्धी मामला वित्त विभाग के समक्ष प्रस्तुत करने तथा आधार आधारित राशन आबंटन में आ रही समस्याओं का शीघ्र निष्पादन करने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को खाद्यान्न लेने में आ रही समस्याओं को दूर किया जा सके।

बैठक में वित्त वर्ष 2020-21 के वित्तीय लेखे पारित किए गए और विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस बैठक में निदेशक मंडल के गैर सरकारी सदस्य, हिमाचल प्रदेश राज्य नागरिक आपूर्ति निगम तथा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोगता मामले विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और पंजीयक सहकारी सभाएं एवं विशेष सचिव वित्त उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने टैक्स हाट कार्यक्रम का शुभारंभ किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने राज्य कर एवं आबकारी विभाग के टैक्स हाट कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि टैक्स हाट कर अनुपालन में सुधार के लिए अग्रणी तंत्र है। उन्होंने कहा कि कर राष्ट्र के विकास एवं समृद्धि में बहुत अहम भूमिका निभाता है। राजस्व के बिना कोई भी प्रदेश समृद्ध नहीं बन सकता। उन्होंने राज्य कर एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों से ही प्रदेश का राजस्व वर्ष 1974-75 में 11 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 7044 करोड़ रुपये हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कर प्रशासन की यात्रा, सामान्य बिक्री कर अधिनियम 1968 से आरंभ हुई जो मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 को पार करते हुए वर्तमान वस्तु एवं सेवा कर तक पहुंची। जीएसटी ने एक राष्ट्र एक कर की उक्ति को सार्थक करते हुए सफल क्रियान्वयन के 4 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने व्यापारियों की कठिनाइयों का हमेशा ध्यान रखा है क्योंकि व्यापारी वर्ग की कर एकत्रीकरण में एक अहम भूमिका है। राज्य कर एवं आबकारी विभाग ने व्यापारियों की सुविधा का ध्यान रखते हुए जिला स्तर पर टैक्स फैसिलिटेशन सेल स्थापित किए हैं, जहां पर व्यापारी अपनी कराधान से संबंधित मुश्किलों को हल कर सकते हैं। मुख्यमंत्री सेवा संकल्प के माध्यम से भी व्यापारियों की समस्याओं के निदान के लिए शिकायत निवारण पोर्टल शुरू किया गया है। जिस पर 1100 नंबर के माध्यम से आसानी से अपनी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है।

जय राम ठाकुर ने कहा कि टैक्स हाट की स्थापना हिमाचल प्रदेश सरकार की 2021-22 की बजट घोषणा थी, जिसे आज पूरा कर लिया गया है। इसके माध्यम से सभी हितधारकों की कर से संबंधित जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समयबद्ध उचित तरीके से निष्पादन हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने जीएसटी में व्यापारियों को समय-समय पर अनेक रियायतें प्रदान की हैं। छोटे हितधारकों के लिए पंजीकरण की सीमा वस्तुओं के मामले में 40 लाख रुपए व सेवाओं के मामले में 20 लाख रुपए रखी है जो मूल्यवर्धित काल में 8 लाख रुपये थी। यह छोटे व्यापारियों के लिए बहुत राहत की बात है। उन्होंने कहा कि एकमुश्त कर अदायगी के लिए कंपोजिशन स्कीम के तहत सीमा 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.5 करोड रुपए की है। त्रैमासिक विवरणी मासिक भुगतान योजना के माध्यम से भी व्यापारियों को मासिक विवरणी दाखिल करने से राहत मिली है। इस कड़ी में शून्य आवर्त वाले व्यापारियों को मोबाइल के माध्यम से भी अपनी शून्य विवरणी दाखिल करने की सुविधा सरकार ने प्रदान की है। उन्होंने कहा कि कोविड काल के दौरान सरकार द्वारा छोटे व मध्यम दर्जे के व्यापारियों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए रिटर्न भरने की समय सीमा में भी छूट प्रदान की थी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विभाग राजस्व संग्रहण व व्यापारी वर्ग की सुविधा की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभाग के लोगो का विमोचन भी किया। उन्होंने विभाग के ट्विटर व फेसबुक पेज का शुभारंभ भी किया।

मुख्यमंत्री ने राज्य कर एवं आबकारी विभाग की 51 वर्षो की गौरवशाली यात्रा पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर विभाग की वेबसाइट के बारे में एक कर्टन रेजर भी प्रदर्शित किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जे सी शर्मा ने कहा कि टैक्स हाट कार्यक्रम के तहत हितधारकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान तीन चरणों में किया जाएगा। ऑनलाइन माध्यम से करदाता अपनी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं को विभाग की वेबसाइट के माध्यम से उठा सकते हैं जिसका समाधान संबंधित अधिकारियों द्वारा निश्चित अवधि में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन माध्यम से विभाग द्वारा समय-समय पर जिला एवं जोनल स्तर पर करदाताओं के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर शिकायतों, मुद्दों एवं जिज्ञासाओं का निवारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ स्तर पर हितधारकों के मुद्दों को उठाने के लिए विभाग में व्यापारी सुविधा प्रकोष्ठ बनाया गया है। ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से जीएसटी काउंसिल और नीतिगत मामलों पर व्यापारी सुविधा प्रकोष्ठ अपनी अनुशंसा के साथ सरकार को समाधान के बारे में सुझाव प्रेषित करेगा। इस अवसर पर उन्होंने विभाग की अनेक महत्वपूर्ण पहल की जानकारी भी प्रदान की।

इस अवसर पर राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त यूनुस ने विभाग की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

अतिरिक्त आयुक्त सुनील शर्मा और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

शैल समाचार संपादक मण्डल

संपादक- बलदेव शर्मा

सयुक्त संपादकःजे.पी.भारद्वाज

विधि सलाहकार: ऋचा

अन्य सहयोगी

राजेश ठाकुर

सुदर्शन अवस्थी

जिला मंडी के गलू स्थित शराब बोटलिंग प्लांट का लाईसैंस निलम्बित

शिमला/शैल। आबकारी एवं कराधान विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मंडी जिला के गलू, जोगिन्द्रनगर स्थित बोटलिंग प्लांट का लाइसैंस निलम्बित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि गत 18 जनवरी, 2022 को आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा इस बोटलिंग प्लांट का निरीक्षण किया गया और निरीक्षण के दौरान इसमें कुछ अनियमितताएं पाई गई। 24 जनवरी, 2022 को इस बोटलिंग प्लांट के निदेशक का पक्ष सुनने के पश्चात आयुक्त राज्य कर एवं आबकारी, हिमाचल प्रदेश द्वारा प्लांट के लाइसैंस को निलम्बित कर दिया गया है तथा विभाग द्वारा नियमानुसार इस मामले में आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले में विभागीय अधिकारी को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलम्बित कर दिया है और उनके विरूद्ध भी आगामी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

प्रवक्ता ने बताया कि गत कुछ समय में विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेश में स्थित के बोटलिंग प्लांटों की चैकिंग के दौरान अनियमताओं के नौ मामले पकड़े गए हैं। इनमें जिला सिरमौर स्थित एक बोटलिंग प्लांट स्प्रिट भण्डारण से संबंधित अनियमितता पाए जाने पर विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए प्लांट से 32.27 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। जिला सोलन की एक इकाई पर भी कार्यवाही की गई और उसका लाईसैंस भी निलम्बित कर दिया गया है और रिकवरी के लिए नोटिस दिया गया है। इन सभी मामलों में विभागीय कर्मचारियों को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए निलम्बित कर दिया गया है व इन सभी के विरूद्ध आगामी अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में जा रही है।

उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में आबकारी राजस्व का संग्रहण कार्य राज्य कर एवं आबकारी विभाग द्वारा किया जाता है। विभाग राज्य की वित्तीय संरचना में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और राज्य का अधिकांश राजस्व एकत्र करता है। यह राजस्व विभाग द्वारा लागू किए गए विभिन्न आबकारी व कर अधिनियमों के अन्तर्गत जारी विभिन्न लाइसैंसों के माधयम से आबकारी शुल्क के रूप में एकत्र किया जाता है। आबकारी विभाग द्वारा मदिरा निर्माण व मदिरा की थोक तथा खुदरा बिक्री के लिए विभिन्न प्रकार के लाईसैंस आवेदन पर नीलामी व निविदा द्वारा जारी किए जाते हैं।

विभाग के अधिकारी आबकारी अधिनियम के अन्तर्गत बनाये गए प्रावधानों और मानकों के अनुरूप आबकारी राजस्व को सुरक्षित करने के लिए समय-समय पर मासिक व त्रैमासिक आधार पर मदिरा के निर्माण एवं बिक्री से संबंधित सभी परिसरों का निरीक्षण करते हैं व किसी भी प्रकार की अनियमतताएं पाए जाने पर दोषियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाती है।

प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी राजस्व में किसी भी प्रकार का नुकसान न हो इसके लिए विभागीय अधिकारियों ने बीते कुछ महीनों में खुदरा एवं थोक दुकानों के निरीक्षण के दौरान अनियमताओं के कुल 151 मामले पकड़े हैं, जिनमें जिला कांगड़ा में मदिरा के थोक विक्रेताओं के दो मामले व जिला ऊना में एक मामला व जिला बिलासपुर में 01 मामला पकड़ा गया है, जिसमें विभाग द्वारा 8.62 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है और तीन लाइसैंस रद्द किए हैं तथा एक थोक विक्रेता के विरूद्ध पुलिस में एफ.आई.आर. भी दर्ज करवाई गई है। खुदरा बिक्री की दुकानों में भी विभाग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। किसी भी प्रकार की अनियमतता करने वाले अनुज्ञापियों के विरूद्ध विभाग सख्त कार्यवाही कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने सामान्य सेवा केन्द्रों का दायरा बढ़ाने के लिए चम्बा जिले की सराहना की

शिमला/शैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के विभिन्न आकांक्षी जिलों के जिलाधिकारियों के साथ संवाद किया।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर वर्चुअल माध्यम से शिमला से बैठक में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने राज्य के चंबा जिले

प्रधानमंत्री ने इन जिलों में सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की प्रगति और वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने अधिकारियों के साथ बातचीत की और उन्हें सभी हितधारकों के साथ मिलकर जिलों में विभिन्न विभागों द्वारा मिशन मोड में योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री ने जिले के लोगों की सुविधा के लिए सामान्य सेवा केन्द्रों का दायरा बढ़ाने में प्रदेश के चंबा जिले की उपलब्धि की भी सराहना की।

द्वारा सामान्य सेवा केन्द्रों के दायरे को लगभग 67 प्रतिशत से बढ़ाकर 97 प्रतिशत से अधिक करने की उपलब्धि की सराहना करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनवरी 2018 में देश के लिए आकांक्षी जिला कार्यक्रम की शुरुआत की थी और इस योजना के अन्तर्गत चंबा जिले का भी चयन किया गया था। नीति आयोग ने स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेश और कौशल विकास तथा बुनियादी अधोसंरचना जैसे समग्र मानकों के आधार पर कुल 112 आकांक्षी जिलों को चयन किया गया था, जिनका मानव विकास सूचकांक पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम का उद्देश्य अनिवार्य रूप से सतत विकास लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर हासिल करना है, जिससे राष्ट्र की प्रगति हो सके।

जय राम ठाकुर ने कहा कि इस कार्यक्रम के कार्यान्वित होने के उपरांत चंबा जिले ने विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि मार्च, 2019 में जिले को स्वास्थ्य और पोषण में द्वितीय स्थान पर, नवम्बर, 2020 में बुनियादी अधोसंरचना में सर्वश्रेष्ठ जिलों में और अक्तूबर, 2021 में देश में द्वितीय स्थान पर आंका गया है। उन्होंने कहा कि इस रैंकिंग के आधार पर जिले को नीति आयोग द्वारा परियोजनाओं के रूप में 8 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई है और जिले के लिए सीएसआर शीर्ष के तहत 25.04 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है। जल शक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह ठाकुर, ऊर्जा मंत्री सुख राम, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना और जे.सी. शर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार पंचायती राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के निर्वाचित प्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के विकास के लिए समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना चाहिए ताकि वे अपने क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकें। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष संघ के एक प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि यह लोकतंत्र की आधारभूत इकाई हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों को कई शक्तियां प्रदान की हैं।

जय राम ठाकुर ने संघ के सदस्यों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार उनकी सभी जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

संघ के अध्यक्ष कृष्ण पाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पंचायती राज संस्थाओं के लिए राज्य वित्त आयोग से अलग से बजट प्रावधान करने का आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से जिला परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के लिए ऐच्छिक निधि का प्रावधान करने और विधायक प्राथमिकताओं की तर्ज पर जिला परिषद की प्राथमिकताओं का प्रावधान करने का भी आग्रह किया।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री वीरेंद्र कंवर, अध्यक्ष वूलफेड त्रिलोक कपूर इस अवसर पर अन्य व्यक्तियों सहित उपस्थित थे।

हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सरकार ने आदिबद्री बांध के निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया

शिमला/शैल। हिमाचल प्रदेश सरकार और हरियाणा सरकार के मध्य पंचकुला में हरियाणा के यमुना नगर जिले के आदिबद्री क्षेत्र के समीप हिमाचल प्रदेश में 77 एकड़ में आदिबद्री बांध के निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। इस परियोजना के माध्यम से 215.35 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सरस्वती नदी का पुनरुद्धार होगा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर और हरियाणा के

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की उपस्थिति में दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों ने राज्य सरकारों की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस ऐतिहासिक अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना पूरा होगा। उन्होंने 3 अप्रैल, 2014 को कुरूक्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए सरस्वती नदी का पुनरूत्थान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई थी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि यह परियोजना हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि इससे हिमाचल प्रदेश की 3.92 हेक्टेयर मीटर प्रतिवर्ष पेयजल की आवश्यकता की पूर्ति होगी और प्रभावित बस्तियों के लिए सिंचाई के पानी की उपलब्धता के लिए 57.96 हेक्टेयर मीटर पानी निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांध का उपयोग न केवल सरस्वती नदी के पुनरुद्धार के लिए किया जाएगा बल्कि इससे क्षेत्र में जल संरक्षण को भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए पूरी धनराशि की व्यवस्था हरियाणा सरकार द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य सरकारें परियोजना के प्राथमिक उद्देश्य से समझौता किए बिना स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय लोगों के कल्याण और विकास के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के साथ पयर्टन परियोजनाएं बनाने के लिए भी स्वतंत्र होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से प्रदेश के केवल 21 परिवार विस्थापित होंगे जिनका समुचित पुनर्वास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विस्थापितों को पुनर्वास पैकेज और जलवायु संरक्षण पैकेज के साथ भविष्य में आदि बद्री बांध से संबंधित लागत/व्यय हिमाचल प्रदेश की प्रचलित नीतियों व अन्य प्रचलित कानूनों के अनुसार हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तथा इससे संबंधित कोई भी देनदारी हिमाचल प्रदेश को हस्तांतरित नहीं की जाएगी।।

जय राम ठाकुर ने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने पर सरस्वती नदी फिर से पुनर्जीवित हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कुल प्रस्तावित क्षेत्र में से 31.16 हेक्टेयर भूमि हिमाचल प्रदेश की है जिसमें से 0.67 हेक्टेयर निजी भूमि और 30.49 हेक्टेयर वन भूमि शामिल है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सोंब नदी से बांध को 224 हेक्टेयर मीटर जल की आपूर्ति होगी जो यमुना नगर जिले में आदिबद्री के समीप यमुना में मिलती है। उन्होंने कहा कि आदिबद्री बांध और इससे संबंधित अधोसंरचना के लिए एचपीपीसीएल कार्यकारी संस्था होगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गंगा और यमुना के साथ सरस्वती देश की सबसे पवित्र नदी है। उन्होंने कहा कि इस बांध के बनने से सरस्वती नदी में पूरे साल बीस क्यूसेक जल का प्रवाह होगा। उन्होंने कहा कि घग्गर नदी बहने के रास्ते को सरस्वती नदी का मार्ग कहा जाता है। यह परियोजना हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की सरकारों के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से न केवल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि इससे भू-जल में भी वृद्धि होगी।

मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि आदिबद्री बांध से संबंधित कार्यो की योजना, पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए आदिबद्री बांध निर्माण निगरानी समिति का गठन किया गया है। इस समिति में हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सिंचाई, हिमाचल प्रदेश के जल शक्ति विभाग के सचिव, दोनों राज्यों के इंजीनियर-इन-चीफ और अन्य प्रतिनिधि शामिल हैं।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने फार्मा पार्क स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि लगभग 750 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के साथ एपीआई और कैप्सूल सैल निर्माण एवं फार्मुलेशन संबंधी गतिविधियों वाला फार्मा पार्क स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार ने मेसर्स जेगस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से 1000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। निदेशक उद्योग राकेश प्रजापति ने प्रदेश सरकार की ओर से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए।

मुख्यमंत्री ने राज्य में इस परियोजना का स्वागत किया है क्योंकि इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने पहले ही एपीआई पार्क का प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव भारत सरकार को सौंप दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें एपीआई पार्क मिलने की आशा है। उन्होंने अधिकारियों को निवेशकों को मार्गदर्शन और पूर्ण सहयोग देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि लगभग 20 से 30 एकड़ जमीन पर यह फार्मा पार्क स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना के साथ लगभग आठ से दस सहायक इकाईयां स्थापित होने की भी उम्मीद है। हिमाचल में पहले से ही पिछले 20 वर्षो के दौरान निवेशकों द्वारा विभिन्न फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन और सम्बद्ध उद्योग कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस पार्क की अनुमानित एपीआई क्षमता 4000 टन होगी जिसमें दर्द निवारक, एंटी बायोटिक, एंटी डायबिटिक, कार्डियों वास्कुलर इत्यादि दवाओं का निर्माण किया जाएगा, जो स्थानीय फॉर्मूलेशन को भी बढ़ावा देगी। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में बल्क ड्रग पार्क स्थापित करने के लिए अत्याधिक प्रतिस्पर्धी बोली जमा की गई है। इसका मूल्यांकन भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा नालागढ़ में 850 करोड़ रुपये के निवेश के साथ किनवन फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है जो देश की 57 प्रतिशत एंटीबायोटिक आवश्यकता की पूर्ति करेगा। भारत के फार्मास्युटिकल विभाग ने पहले से ही उत्पादन से जुड़ी योजना की मंजूरी प्रदान कर दी है, जिससे भारत फार्मा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा।

स्कूल शिक्षा बोर्ड के पेंशनभोगियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति सुविधा प्रदान की जाएगी:मुख्यमंत्री

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने जिला कांगड़ा के धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते बोर्ड के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राज्य के अन्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों की तरह चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान करने की घोषणा की। प्रदेश सरकार के इस निर्णय से बोर्ड के 750 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके कल्याण के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री हिमकेयर जैसी योजनाएं भी शुरू की हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रदेश का कोई भी व्यक्ति धन के अभाव में बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पिछली राज्य सरकार ने 24 मार्च 2014 को बोर्ड के पेंशनभोगियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान करने में असमर्थता व्यक्त की और इस सुविधा को अप्रैल 2014 से बंद कर दिया था।

जय राम ठाकुर ने कहा कि बोर्ड के पेंशनभोगियों को इस योजना का लाभ प्रदान करने के लिए हर वर्ष 1.61 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इन सभी खर्चो को बोर्ड अपने संसाधनों से वहन करेगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बोर्ड की उपलब्धियों और कार्यप्रणाली से सम्बन्धित पुस्तिका का भी विमोचन किया।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सोनी ने चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

जीवन का रास्ता स्वयं बना बनाया नहीं मिलता इसे बनाना पड़ता है जिसने जैसा मार्ग बनाया उसे वैसी ही मंजिल मिलती है।
.....स्वामी विवेकानंद

सम्पादकीय

क्या उत्तर प्रदेश में मोदी है तो मुमकिन है हो पायेगा

पांच राज्यों के चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान हो जायेगौ जिस तरह कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं और हर राज्य ने इसके कारण बंदीशें लगा रखी हैं उससे यह आशंका अभी भी बराबर बनी हुई है कि कहीं यह चुनाव कुछ समय के लिए टालने न पड़ जायें। फिर अब सर्वोच्च न्यायालय में भी एक याचिका आ चुकी है जिसमें चुनाव टालने का आग्रह किया गया है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय पहले ही चुनाव टालने का आग्रह कर चुका है। ऐसे में शीर्ष अदालत का फैसला क्या आता है उस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। क्योंकि कुछ लोग इन प्रयासों को प्रायोजित भी करार दे रहे हैं। इस परिदृश्य में कुछ बिंदुओं पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। यह चुनाव विवादित कृषि कानूनों की वापसी के बाद हो रहे हैं। जब इन कानूनों के विरोध में किसान आंदोलन चल रहा था तब हुये बंगाल और अन्य राज्यों के चुनाव के परिणाम क्या रहे हैं यह सारा देश जानता है। उस समय बंगाल में भाजपा ही नहीं बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की व्यक्तिगत प्रतिष्ठा दांव पर लग गयी थी और ममता के हाथों बच नहीं पायी थी। वहां से प्रधानमंत्री का जो ग्राफ गिरना शुरू हुआ था वह अब तक संभल नहीं पाया है। बल्कि अब जिस तरह से पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को मुद्दा बनाने का प्रयास किया गया उसकी हवा सर्वोच्च न्यायालय ने जांच कमेटी बनाकर निकाल दी है। यही नहीं प्रधानमंत्री की विदग्धता का भी उस समय खुलासा सामने आ गया जब वह एक आर्थिक मंच पर विश्व को संबोधित करते हुए टेलीप्राम्पटर का लिंक टूटते ही एक शब्द भी आगे नहीं बोल पाये। इससे एक बार फिर यह स्पष्ट हो गया कि भाजपा शासित राज्य अकेले प्रधानमंत्री के नाम पर ही अब सत्ता में वापसी की उम्मीद नहीं कर पायेंगे।

इन चुनावों में यह भी सामने आ गया है कि अब लोग भाजपा छोड़कर अन्य दलों में जाने शुरू हो गये हैं। 2014 में जो कांग्रेस के साथ घटा था वह अब भाजपा के साथ घटना शुरू हो गया है। इसमें भी सबसे अहम यह है कि जो लोग मंत्री विधायक भाजपा छोड़कर जा रहे हैं वह सबसे बड़ा आरोप यही लगा रहे हैं कि भाजपा सरकारों ने पिछड़े वर्गो दलितों बेरोजगार युवा छोटे किसानों आदि के लिए कुछ नहीं किया है। आज देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में ही इस सरकार के कार्यकाल में 16 लाख नौकरियां छीनी है। जबकि यूपी में बेरोजगारी ही सबसे बड़ी समस्या है। ऐसे में यह बेरोजगार कैसे इस सरकार को समर्थन देंगे यह एक बड़ा सवाल है। पिछड़े और दलित इस सरकार में उपेक्षा के शिकार हुये हैं। यह सीधा आरोप सरकार से निकलने वालों का है। मुसलमानों को पिछले चुनाव में भी भाजपा ने उम्मीदवार नहीं बनाया था इस बार किसी मुस्लिम को प्रत्याशी बनाया जाता है या नहीं यह आने वाले दिनों में स्पष्ट हो जायेगा।

इस सबसे हटकर बड़ा सवाल किसानों का है। सरकार ने भले ही कृषि कानून वापस ले लिये हैं। लेकिन एमएसपी का मुद्दा अभी भी अपनी जगह खड़ा है। इस पर सरकार आगे नहीं बढ़ी है। बल्कि जिस ढंग से बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन, बीज और खाद आदि सभी कुछ प्राइवेट सैक्टर के हवाले कर दिया गया है उससे क्या किसान की निर्भरता कॉर्पोरेट सैक्टर पर नहीं हो जायेगी। अब तो अदानी कैपिटल को एसबीआई का लोन पार्टनर तक बना दिया गया है। जो किसानों को ऋण देने वाला सबसे बड़ा संस्थान होगा। किसान आंदोलन का सबसे बड़ा मुद्दा यह था कि कृषि क्षेत्र को कारपोरेट सेक्टर के हवाले किया जा रहा है। जब सरकार ने वह हर चीज जो किसान को खेती के लिए आवश्यक है उसे कॉरपोरेट सैक्टर के हवाले कर दिया है तो क्या परिणामत: कृषि पर इस क्षेत्र का कब्जा नहीं हो जायेगा ? क्या यह सब किसान की समझ में नहीं आयेगा ? निश्चित रूप से किसान इसे समझेगा और भाजपा को चुनाव में समर्थन देने पर 10 बार सोचेगा? इस तरह जो भी परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं वह एक-एक करके सरकार के प्रतिकूल ही होती जा रही हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस ने जिस तरह से महिलाओं और युवाओं को उत्तर प्रदेश में अपनी नीतियों का केंद्र बिंदु बना दिया है वह अपने में एक नया प्रयोग है। पंजाब में दलित मुख्यमंत्री को केंद्र में रखा गया है। इससे कांग्रेस का पिछड़ों, दलितों, महिलाओं और युवाओं को लेकर एजेंडा साफ हो जाता है। फिर कांग्रेस यूपी में अकेले चुनाव लड़ रही हैं और उसने 40 प्रतिशत महिलाओं को टिकट देकर और युवाओं के लिये अलग रोजगार नीति घोषित करके अपने एजेंडे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट कर दी है। इससे सारा चुनावी परिदृश्य बदल गया है। ऐसे में इस चुनाव के परिणामों का देश पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा यह तय है।

केरल को सीरिया बनाने की योजना में पीएफआई

गौतम चौधरी

हाल ही में, पॉपुलर फंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने पूरे देश को चौंका देने वाली घटना को अंजाम दिया। दरअसल, पीएफआई की युवा शाखा, कैंपस फंट ऑफ इंडिया के नेताओं ने सेंट जॉर्ज स्कूल के साथ ही साथ कोटांगल, चुंगप्पारा और पठानमथिटा के कुछ विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों (ज्यादातर गैर-मुस्लिम) की वर्दी पर 'मैं बाबरी' संदेश वाला स्टिकर चिपका दिया। पीएफआई की युवा शाखा ने यह स्टिकर केवल चिपकाया ही नहीं उन लोगों ने बाकायदा उसका वीडियो उतारा और सोशल मीडिया पर प्रचारित भी किया। कैंपस फंट ऑफ इंडिया के नेता केरल के इन जिले में 06 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंश की वर्षगाठ मना रहे थे। यह घटना कोई साधारण घटना नहीं है। यह उस स्मृतियों को बनाए रखने की कोशिश है, जिसके कारण देश बहुत परेशान हो चुका है।

कैम्ब्रिज डिक्शनरी ने वर्षगांठ शब्द की व्याख्या करते हुए लिखता है कि यह उस दिन के रूप में परिभाषित किया है जिस दिन पिछले वर्ष में एक महत्वपूर्ण घटना हुई थी। जन्म वर्षगाँठ, मृत्यु वर्षगाँठ, विवाह वर्षगाँठ आदि मनाने की परंपरा पुरानी रही है लेकिन किसी अप्रिय घटना की याद अमूमन कम ही देखने को मिलता है। खासकर एक राष्ट्र के लिए यदि कोई घटना सामाजिक सौहार्द को क्षति पहुंचाने वाली हो और उसकी बरसी मनायी जाए तो यह साफ तौर पर देश वि ाजक मानसिकता का परिचायक है। बाबरी मस्जिद विध्वंश की घटना इस देश के लिए बेहद खतरनाक घटना थी। इस घटना को लेकर कई वर्षो तक देश के दो समुदायों के बीच गतिरोध कामय रहा। इसे फिर से जीवित करने की कोशिश देश की एकता और अखंडता के साथ खिलवाड़ है। पीएफआई की युवा शाखा के द्वारा यह कार्यक्रम निश्चित रूप से राष्ट्र के सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश है। पॉपुलर फंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का अतीत हिंसक रहा है। यह संगठन इस्लाम की कट्टरपंथी विचारधारा में विश्वास करता है और औटोमन साम्राज्य की तरह खिलाफत परंपरा को फिर से जीवित करने की कोशिश में लगा है। इसे विवेक, सांप्रदायिक सद्भाव, भाईचारे आदि से कोई लेना देना नहीं है। यह संगठन भारत की सहिष्णुतावादी सांस्कृतिक परंपरा के खिलाफ देश को विभाजित करने की योजना में लगा है। इसकी योजना भारतीय उपमहाद्वीप में आईएसआईएस जैसे संगठन को खड़ा करना और उसी प्रकार के इस्लामिक आन्दोलन को प्रारंभ करना है। यह सांप्रदायिक हिंसा, उग्रवाद, आतंकवाद, इस्लामिक स्टेट आदि जैसे शब्दों के साथ सहानुभूति रखता है और अपनी पहचान के साथ इन चिंतनों को जोड़कर रखने की कोशिश करता है। इससे साफ हो जाता है कि पीएफआई भारतीय उपमाहद्वीप को सीरिया बनाने की कोशिश में लगा है।

मै बाबरी वाला स्टिकर वाले प्रकरण के दौरान तीन चीजें काफी परेशान करने वाली थी, जिन्हें नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। पहला, जबकि पूरा देश आगे बढ़ चुका है, पीएफआई जैसे संगठन अभी भी सस्ते राजनीतिक लाभ के लिए निर्दोष मुसलमानों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करके माहौल को सांप्रदायिक बनाने की कोशिश कर रहा है। दूसरे, पीएफआई के कार्यकताओं ने अपने नफरत के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए मासूम स्कूल जाने वाले बच्चों को भी नहीं बख्शा, जो पीएफआई के कामकाज के तौर-तरीकों पर सवालिया निशान लगाता है। अंतिम यह की (पीएफआई) के जघन्य कृत्य से पता चलता है कि विशेष रूप से केरल राज्य में पीएफआई काडरों के बीच निडरता की भावना है जो हिंसा के इतिहास और राज्य में पीएफआई काडरों की दोषसिद्धि की कमी से और अधिक प्रभावशाली हुआ है।

पदम जंगल में हथियार प्रशिक्षण शिविर लगाना, एक प्रोफेसर के हाथ काटना, आईएसआईएस और एक्यूआईएस में शामिल होने वाले पीएफआई कैडर, राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की हत्या, बदला लेने की हत्या आदि ने बार-बार साबित किया है कि पीएफआई कैडर केरल को एक और सीरिया में बदलने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। किशोर बच्चों पर बाबरी का बैज लगाना एक महत्वपूर्ण घटना है। हालांकि अपराधियों के खिलाफ केरल में मामले दर्ज किए गए हैं, भारत के न्यायिक इतिहास में ऐसा देखा गया है कि आपराधिक न्याय प्रणाली में खामियों का फायदा उठाते हुए, पीएफआई कार्यकर्त्ताओं ने हमेशा पैसे, ताकत और हेर-फेर का उपयोग करके खुद को बचाता रहा है। इसलिए यदि भविष्य में भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना है तो इस्लाम के औटोमन एवं ब्रदर हुड वर्जन के खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध लगाया जाए।

नेताजी भारतीय लोगों के दिलों में थे, हैं और आगे भी रहेंगेः डॉ.अनीता बोस फाफ

नेताजी चाहते थे कि युवा अपने जेहन में देश को सर्वोपरि रखें:रेणुका मलाकर

शिमला। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती समारोह के हिस्से के अवसर पर भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय और प्रादेशिक लोकसमपर्क ब्यूरो ने 'पराक्रम दिवस' के संबंध में एक वेबिनार का आयोजन किया। भारत सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती दिवस 23 जनवरी को हर साल 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की है। डॉ. अनीता बी. फाफ (नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी) और सुश्री रेणुका मलाकर (नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रपोत्री) ने वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। महेश चंद्र शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार) ने भी अतिथि वक्ता के रूप में वेबिनार को संबोधित किया।

इस वेबिनार में जर्मनी से शामिल हुई नेताजी सुभाष चंद्र बोस की बेटी डॉ. अनीता बोस फाफ ने कहा कि नेताजी भारतीय लोगों के दिलों में थे, हैं और आगे भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि उनके पिता एक धर्मनिष्ठ हिंदू थे लेकिन उनके मन में सभी धर्मो के लिए सम्मान था। डॉ. अनीता ने कहा कि उनके पिता ने एक ऐसे भारत की कल्पना की थी जहां सभी धर्म के लोग शांतिपूर्वक सह – अस्तित्व में रहते हों। उन्होंने कहा कि नेताजी लैंगिक समानता

के हिमायती थे। उनका दृष्टिकोण एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना था जहां पुरुषों और महिलाओं को न केवल समान अधिकार हों, बल्कि वे समान कर्तव्यों का पालन भी कर सकें। यह महिलाओं पर है कि वे स्वयं दासत्व से मुक्ति पाएं, महिलाओं को जीतना चाहिए और वे जीत सकती हैं। डॉ. अनीता बोस ने स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और योगदान पर भी विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने कहा कि नेताजी के पास भारत की वित्तीय और आर्थिक मजबूती के लिए एक विजन था और भारत को आजादी मिलने से पहले ही उन्होंने एक योजना आयोग का गठन कर लिया था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रपोत्री और नेताजी सुभाष बोस आईएनए ट्रस्ट दिल्ली – इंडिया की पूर्व महासचिव व वर्तमान ट्रस्टी सुश्री रेणुका मलाकर ने अपने संबोधन में कहा कि नेताजी को अपने देशवासियों से अत्यधिक प्रेम था। भारत के युवा देश का भविष्य है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि उन्हें देश को सर्वोपरि रखना चाहिए और यदि ऐसा होता है तो भारत को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर विस्तार से जानकारी देते हुए वरिष्ठ पत्रकार और लेखक महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि जिस तरह नेताजी ने देश को सर्वोच्च प्राथमिकता दी, उसी तरह युवाओं को भी राष्ट्र के लिए प्रयासरत रहना चाहिए, ताकि देश एकजुट, शक्तिशाली तथा धार्मिक और जाति आधारित भेदभाव से मुक्त हो सके। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का राष्ट्र के प्रति समर्पण, भारत में युवाओं के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है।

वेबिनार में इससे पहले पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की अपर महानिदेशक डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने उद्घाटन और स्वागत भाषण दिया। डॉ. पालीवाल ने सबसे पहले नेताजी की बेटी डॉ. अनीता बोस फाफ का स्वागत किया और अपना कीमती समय देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पत्र सूचना कार्यालय के इस वेबिनार में उनकी और सुश्री रेणुका मलाकर की उपस्थिति सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि नेताजी की अदम्य साहस व राष्ट्र के लिए निरूस्वार्थ सेवा का सम्मान करने और उन्हें स्मरण रखने को लेकर भारत सरकार ने देश के लोगों विशेषकर युवाओं, को प्रेरित करने के लिए हर साल 23 जनवरी यानी उनके जन्मदिन को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

इस वेबिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें बीएसएफ के जवान, एनसीसी के कैडेट, नेहरू युवा केंद्र संगठन के युवा स्वयंसेवक और अन्य अधिकारी शामिल थे। अंत में, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमिका पर बनाये गए एक वीडियो को वेबिनार के दौरान दिखाया गया। इस वीडियो का निर्माण सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने किया है। इस वेबिनार का संचालन पीआईबी जयपुर के उप निदेशक पवन सिंह फौजदार ने किया।

हिमाचल प्रदेश इस साल 'हर घर जल' बनने की राह पर है

जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद से 8.25 लाख परिवारों को नल के जरिए स्वच्छ जल की आपूर्ति प्रदान की जा चुकी है

केंद्र जल जीवन मिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को पूरी सहायता प्रदान कर रहा हैः सचिव, पेयजल और स्वच्छता विभाग

शिमला। पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) की सचिव विनी महाजन ने एक समीक्षा बैठक के दौरान ग्रामीण घरों में नल के जल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने में हिमाचल प्रदेश की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, 'हिमाचल प्रदेश 2024 तक हर ग्रामीण घर में नल के जरिए स्वच्छ जल की आपूर्ति करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहतर तरीके से अपनी राह पर है और राज्य की लक्ष्य प्राप्ति में केंद्र पूरी सहायता प्रदान कर रहा है।' इस

समीक्षा बैठक में सचिव महाजन के साथ हिमाचल प्रदेश में हर घर जल और स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन के मुख्य सचिव राम सुभग सिंह भी उपस्थित थे। वहीं, ऑफलाइन समीक्षा बैठक के दौरान डीडीडब्ल्यूएस के अतिरिक्त सचिव अरुण बरोका, हिमाचल सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) वित्त प्रबोध सक्सेना और हिमाचल प्रदेश के जल शक्ति विभाग के सचिव विकास लबरू उपस्थित थे।

महाजन ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा, 'जल जीवन मिशन एक विकेन्द्रीकृत, मांग – संचालित और समुदाय – प्रबंधित जल आपूर्ति योजना है, जिसका उद्देश्य हर घर में नल के जरिए स्वच्छ जल की आपूर्ति प्रदान करके ग्रामीण लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है।' उन्होंने इस हिमालयी राज्य में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो की सराहना की। महाजन ने आगे कहा, 'राज्य समय – समय पर अभियानों को संचालित करता है, जिससे पर्याप्त दबाव के साथ इसकी नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सामुदायिक जुड़ाव और जल के विवेकपूर्ण उपयोग व इसके संरक्षण पर लोगों को संवेदनशील बनाने में सहायता मिलती है।'

स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन पर महाजन ने कहा, 'जिलों ने खुद को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया है, लेकिन यह केवल एक बार का प्रयास नहीं है। इस कार्यक्रम के तहत हर समय गांवों की ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने के लिए सामाजिक व व्यावहारिक बदलाव लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।'

महाजन ने राज्य को विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों में 100 फीसदी नल जल कनेक्शन प्रदान करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा, 'इससे बच्चों में जल से होने वाले रोगों को कम करने में सहायता मिलेगी, क्योंकि बच्चों को पीने और विद्यालय प्रशासन को मध्याह भोजन पकाने के लिए स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जाता है। शिक्षण केंद्रों में जल उपलब्ध कराने से हाथ धोने और शौचालय के उपयोग में सहायता मिलती है, जो कि मौजूदा महामारी के दौरान बहुत महत्वपूर्ण है।'

हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव राम सुभग सिंह ने राज्य के प्रदर्शन को सामने रखा। उन्होंने कहा, 'राज्य ने अच्छी प्रगति की है, क्योंकि यह ग्रामीण घरों में नल कनेक्शन प्रदान करने के मामले में राज्य देश में 8वें स्थान पर है। बाकी नल जल कनेक्शन कुछ महीने के भीतर प्रदान करने के प्रयास किए जाएंगे।'

सिंह ने बताया, '15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन की घोषणा के समय राज्य के कुल 17.27 लाख परिवारों में से केवल 7.62 लाख (44.19 फीसदी) परिवारों के पास ही नल के जरिए जल की आपूर्ति की सुविधा थी। लगभग 28 महीनों में 8.25 लाख घरों को स्वच्छ नल का जल उपलब्ध कराया गया है। राज्य की यह उपलब्धि कोविड – 19, लॉकडाउन और कठिन इलाके के कारण उल्लेखनीय है।'

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के अनुरूप काम करते हुए इस मिशन का आदर्श वाक्य 'कोई भी छूटा नहीं' है और इसका उद्देश्य नल के जरिए पेयजल की आपूर्ति की सार्वभौमिक पहुंच है। 2019 में इस मिशन की शुरुआत में देश के कुल 19.20 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से केवल 3.23 करोड़ (17 फीसदी) के पास नल के जल की आपूर्ति की सुविधा थी। पिछले 28 महीनों के दौरान, कोविड – 19 महामारी और लॉकडाउन के चलते उत्पन्न बाधाओं के बावजूद जल जीवन मिशन को तेजी से लागू किया गया है और आज 5.60 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के जरिए जल की आपूर्ति प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में, पूरे देश में 8.84 करोड़ (45.95 फीसदी) ग्रामीण परिवारों को नल के

जरिए पीने योग्य जल मिल रहा है। गोवा, तेलंगाना, हरियाणा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, पुडुचेरी, दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव ने ग्रामीण क्षेत्रों में 100 फीसदी परिवारों को नल के जरिए जल की आपूर्ति सुनिश्चित की है। वर्तमान में, 91 जिलों और 1.32 लाख से अधिक गांवों के प्रत्येक घर में नल से जल की आपूर्ति हो रही है।

जल जीवन मिशन (जेजेएम) के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इसके बारे में सभी जानकारी सार्वजनिक डोमेन में है और जेजेएम डैशबोर्ड को https://ejalshakti.gov.in/jmreport/JJMIndia.aspx पर देखा जा सकता है।

चार साल में 436 से 1037 करोड़ हुआ सामाजिक सुरक्षा पेंशन बजट

4 लाख 15 हजार 993 बुजुर्गों सहित 6 लाख से अधिक हो रहे लाभान्वित

शिमला। प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का विस्तार करते हुए प्रदेश सरकार ने बुजुर्गो, महिलाओं और दिव्यांगों आदि को प्राथमिकता दी है। इसमें उन्हें मिलने वाली पेंशन की राशि बढ़ाना, आय प्रमाण पत्र की अनिवार्यता खत्म करना और आयुसीमा घटाना शामिल है।

आंकड़े बताते हैं कि विभिन्न वर्गो के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर प्रदेश सरकार 2017 में करीब 436 करोड़ रुपये खर्च कर रही थी। 2021 में यह बजट बढ़कर 1037 करोड़ रुपये हो चुका है।

दरअसल, 2017 में सरकार बनते ही मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने पहली मंत्रिमण्डल बैठक में बुजुर्गो के लिए दी जाने वाली वृद्धावस्था पेंशन उम्र को 80 से घटाकर 70 कर दिया था। साथ ही इसमें आय सीमा की शर्त भी हटा ली गई। इससे बुजुर्गो को आय प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया से निजात मिला। इसके साथ ही बुजुर्ग महिलाओं के लिए आयु सीमा में पांच वर्ष की और छूट दी गई है। अब बुजुर्ग महिलाओं को बिना आय सीमा के 65 की उम्र से पेंशन दी जा रही है। इन निर्णयों से लाखों बुजुर्ग लाभान्वित हुए।

चार साल में 1 लाख 95 हजार नए पेंशन आवेदन स्वीकृत

जय राम सरकार के चार साल कार्यकाल में ही 1 लाख 95 हजार 3 नए पेंशन के आवेदन स्वीकृत हुए हैं। इन फैसलों से वृद्धजनों का आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो रहा है। सरकार की ओर से 60 से 69 वर्ष के बुजुर्गो को 850 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। इससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गो को 1500 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिल रही है। दोनों वर्गो के लिए वृद्वास्था पेंशन को मौजूदा सरकार ने क्रमश: 700 से बढ़ाकर 850 और 1250 से बढ़ाकर 1500 किया।

किस वर्ग में कितना लाभार्थी

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के दायरे में बुजुर्गो के अलावा, विधवा, एकल नारी, परित्यक्त महिलाएं, कुष्ठ रोगी, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। इस समय 4 लाख 15 हजार 993 बुजुर्ग, 1 लाख 25 हजार 343 विधवा, एकल नारी, निराश्रित महिलाएं, 1 हजार 482 कुष्ठ रोगी और 150 ट्रांसजेंडर सहित करीब 6 लाख 9 हजार लोगों को पेंशन दी जा रही है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के 3 लाख 7 हजार बुजुर्ग भी लाभान्वित हो रहे हैं।

विधायक प्राथमिकता बैठकें विकास के लिए वास्तविक योजनाएं बनाने में निभा रही दूरगामी भूमिका:मुख्यमंत्री

शिमला/शैल । मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने विधायकों के साथ बजट 2022-23 की प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित बैठकों की अध्यक्षता की। जय राम ठाकुर ने कहा कि इस दो दिवसीय विधायक प्राथमिकता बैठक में 51 विधायकों ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने विधायकों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा उठाए गए मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा और इन्हें आगामी बजट में शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए नाबार्ड, सीआरएफ और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत पर्याप्त निधि प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि सड़कें पहाड़ की आर्थिकी की जीवन रेखा है और सरकार इस क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य ने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बागवानी क्षेत्र में अभूतपूर्व उन्नति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021-22 के लिए विधायक प्राथमिकता योजनाओं के तहत नाबार्ड के अन्तर्गत 965.41 करोड़ रुपये लागत की 186 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व राज्य सरकार के वर्ष 2013-14 से 2016-17 तक के पहले चार वर्ष के कार्यकाल के दौरान 18500 करोड़ रुपये के कुल वार्षिक योजना परिव्यय के प्रावधान के मुकाबले वर्तमान प्रदेश सरकार के वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक पहले चार वर्ष के कार्यकाल के दौरान 34,474 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

जिला ऊना

विधायक चिंतपूर्णी बलबीर सिंह ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत एक जल शक्ति मॉडल प्रदान किया गया है, जिसने क्षेत्रवासियों को पेयजल और सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कस्बे के सौंदर्यीकरण के लिए चिन्तपूर्णी में कुछ दुकानों का अधिग्रहण आवश्यक है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के ऊंचाई वाले क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया। उन्होंने अम्ब को अधिसूचित क्षेत्र कमेटी बनाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

विधायक गगरेट राजेश ठाकुर ने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने के लिए क्षेत्र में अधिक टयूबवेल लगाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि नाबार्ड के तहत टयूब वेल लगाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए।

विधायक हरोली मुकेश अग्निहोत्री ने अपने विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने में शीघ्रता लाने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र में अवैध खनन पर रोक लगाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने चिन्तपूर्णी और हरोली विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ने के लिए पुल के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि हरोली विधानसभा क्षेत्र को शिवा परियोजना के अन्तर्गत अधिक उपयुक्त धनराशि प्रदान की जानी चाहिए।

विधायक ऊना सतपाल रायजदा ने कहा कि विधायकों को विधायक प्राथमिकताओं वाले शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रमों में आमन्त्रित किया जाना चाहिए।

जिला हमीरपुर

विधायक भोरंज कमलेश कुमारी ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के चार वर्षों के कार्यकाल में भोरंज क्षेत्र का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों को सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए भोरंज अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध करवाने के अलावा ऑक्सीजन संयंत्र भी स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से भोरंज में अग्निशमन केन्द्र खोलने का भी आग्रह किया।

विधायक सुजानपुर राजेन्द्र राणा ने कहा कि सुजानपुर में टाउन हॉल के निर्माण कार्य में तेजी लाई जानी चाहिए तथा नागरिक अस्पताल सुजानपुर में विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध करवाये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि 33 के.वी. उपकेन्द्र जिसकी आधारशिला पूर्व राज्य सरकार ने रखी थी, का कार्य शीध्र ही आरम्भ किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपने क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय तथा टौणी देवी क्षेत्र में उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) कार्यालय खोलने का भी आग्रह किया।

हमीरपुर से विधायक नरेंद्र ठाकुर ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र के अस्पतालों में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध करवाया जाना चाहिए।

विधायक बड़सर इन्द्रदत्त लखनपाल ने कहा कि दियोटसिद्ध में रज्जुमार्ग का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिझड़ी के भवन निर्माण का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के आयुर्वेदिक औषधालय में चिकित्सकों के उपयुक्त पदों का प्रावधान किया जाना चाहिए।

जिला कुल्लू

कुल्लू से विधायक सुन्दर सिंह ठाकुर ने कहा कि बिजली महादेव रज्जुमार्ग का कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जाए ताकि क्षेत्र में पर्यटन विकास को गति मिल सके। उन्होंने कहा कि शाड़नी-पीणी सड़क का कार्य शीघ्र पूरा किया जाना चाहिए।

बंजार के विधायक सुरेन्द्र शौरी ने कहा कि बन्जार अस्पताल और आयुर्वेदिक अस्पताल बजौरा के कार्य को गति प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि डीएफओ (वन्य जीव) को शमशी से लारजी लाया जाए। उन्होंने कहा कि सोझा और तीर्थन घाटी को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

आनी के विधायक किशोरी लाल ने कहा कि गत चार वर्षों में आनी विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि सड़कों की लम्बित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्राथमिकता के आधार पर तैयार की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में उनके विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान अनेक योजनाएं समर्पित करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

जिला सिरमौर

नाहन से विधायक डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री की सभी घोषणाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण किया जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री से नाहन कस्बे में मल-निकासी सुविधा प्रदान करने का भी आग्रह किया। उन्होंने डॉ. यशवंत सिंह परमार राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान नाहन के भवन के निर्माण कार्य में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पच्छाद से विधायक रीना कश्यप ने नागरिक अस्पताल सराहां में ऑक्सीजन संयंत्र प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में सराहां और राजगढ़ दो चिकित्सा खण्ड हैं। उन्होंने कहा कि नारग में एक आईटीआई और राजगढ़ में एक अग्निशमन केन्द्र खोला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिरगुल देवता मन्दिर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाना चाहिए।

श्री रेणुका जी से विधायक विनय कुमार ने लगभग 7,000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले रेणुका डैम परियोजना के लिए मुख्यमंत्री को बधाई दी। इस डैम की आधारशिला हाल ही में प्रधानमंत्री ने रखी थी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से होने वाले सामाजिक प्रभाव का उचित आकलन किया जाना चाहिए ताकि इस डैम के विस्थापितों के पुनर्वास में कोई कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि रेणुका चिड़ियाघर में बाघों का जोड़ा लाया जाना चाहिए और चिड़ियाघर में दो बैटरी कारों की मुरम्मत की जानी चाहिए और यदि आवश्यक हो तो बदल देनी चाहिए।

शिलाई से विधायक हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि प्रभावी प्रशासन वर्तमान की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पावंटा-शिलाई सड़क के कार्य में तेजी लाई जानी चाहिए क्योंकि यह सड़क क्षेत्र के लोगों की जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण और मुआवजे के मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से शिलाई विधानसभा क्षेत्र के लिए नाबार्ड के तहत पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाने का भी आग्रह किया। उन्होंने वन स्वीकृतियों में तेजी लाए जाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि विकासात्मक परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण किया जा सके।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने बजट 2022-23 की विधायक प्राथमिकताओं को अंतिम रूप देने के लिए दूसरे दिन के पहले सत्र में जिला कांगड़ा और किन्नौर के विधायकों के साथ बैठक की।

राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष रमेश चंद धवाला ने मुख्यमंत्री से ज्वालामुखी में एचआरटीसी का सब डिपो खोलने का आग्रह किया। उन्होंने कठोग में स्टेडियम के निर्माण के लिए व्यय नहीं की गई धनराशि का उपयोग करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विकास में जन सहयोग योजना के अन्तर्गत पर्याप्त धनराशि का उपयोग किया जाना चाहिए।

जिला किन्नौर

किन्नौर से विधायक जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के लिए इकहरी प्रशासन प्रणाली को समाप्त करने की आवश्यकता है क्योंकि बेहतर प्रशासन के लिए सत्ता का विकेंद्रीकरण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति के लिए बिजली लाइनों में टावरों की स्थापना में बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से जनजातीय क्षेत्रों के विकास के लिए निधि को गैर-जनजातीय क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं देने का भी आग्रह किया।

जिला कांगड़ा

इंदौरा से विधायक रीता धीमान ने क्षेत्र की विकासात्मक मांगों के प्रति सदैव संवेदनशील होने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इंदौरा में नागरिक अस्पताल भवन का निर्माण अतिशीघ्र किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को लाभान्वित करने के लिए क्षेत्र में बेहतर अनाज मंडी खोली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसानों को सिंचाई सुविधा के लिए बजट प्रदान किया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में ब्यास नदी के तटीयकरण की आवश्यकता पर भी बल दिया।

फतेहपुर से विधायक भवानी सिंह पठानिया ने कहा कि फतेहपुर में लघु सचिवालय भवन और रे में राजकीय महाविद्यालय का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौंग डैम को महत्त्वपूर्ण जलक्रीड़ा गतंव्य के रूप में विकसित किया जाना चाहिए और इसके लिए एक उचित नीति बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की विभिन्न सड़कों के लिए अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध करवाई जानी चाहिए और क्षेत्र में नशीली दवाईयों के नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

ज्वाली से विधायक अर्जुन सिंह ने कहा कि क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से देहरा-नगरोटा सूरियां-ज्वाली सड़क के उचित रख-रखाव का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि नगरोटा सूरियां अस्पताल का सुदृढ़ीकरण और नगरोटा सूरियां पुलिस चौकी को पुलिस स्टेशन में स्तरोन्नत किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र के लिए अधिक बस सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए आग्रह किया।

देहरा से विधायक होशियार सिंह ने कहा कि मनरेगा मजदूरों की दिहाड़ी कम से कम न्यूनतम दिहाड़ी के बराबर की जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से पौंग डैम विस्थापितों के लिए उचित पुनर्वास का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय के देहरा परिसर का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरिपुर में संयुक्त कार्यालय भवन का निर्माण और क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित किया जाना चाहिए।

जयसिंहपुर से विधायक रविन्द्र धीमान ने कहा कि जयसिंहपुर में जल शक्ति मंडल की अधिसूचना शीघ्र जारी की जानी चाहिए। । उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक अधोसंरचनाओं के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जानी चाहिए।

नगरोटा बगवां से विधायक अरूण कुमार ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जाना चाहिए ताकि क्षेत्र में निवेश के लिए निवेशकों को आकर्षित किया जा सके। उन्होंने नगरोटा बगवां में लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह का निर्माण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सभी महत्त्वपूर्ण सिंचाई योजनाओं के रख-रखाव के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से विधानसभा क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय खोलने का आग्रह भी किया।

कांगड़ा से विधायक पवन काजल ने कहा कि गत वर्ष आयी बाढ़ में क्षेत्र की सिंचाई कूहलों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिनके रख-रखाव की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में एमआरआई और अन्य उपकरणों का उचित रख-रखाव किया जाना चाहिए क्योंकि यह संस्थान प्रदेश के छः जिलों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में एक आईटी पार्क स्थापित किया जाना चाहिए।

धर्मशाला से विधायक विशाल नेहरिया ने कहा कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला को पारंपरिक रूप प्रदान करने के लिए इसके निर्माण में स्थानीय स्लेट का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्मशाला बस अड्डे का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत शहर में शीघ्र स्ट्रीट लाइटें लगाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में जल शक्ति उप-मंडल खोला जाना चाहिए और योल पुलिस पोस्ट को पुलिस स्टेशन में स्तरोन्नत किया जाना चाहिए। उन्होंने धर्मशाला में नए चिकित्सा खंड की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पालमपुर से विधायक आशीष बुटेल ने कहा कि पालमपुर में खण्ड विकास अधिकारी का कार्यालय खोला जा सकता है। उन्होंने कहा कि पालमपुर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री से पालमपुर विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों को पर्याप्त एम्बुलेंस उपलब्ध करवाने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पालमपुर शहर के योजनाबद्ध विकास के लिए समुचित विकास योजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि पालमपुर में एक युद्ध स्मारक और एक पैरा ग्लाइडिंग प्रशिक्षण स्कूल स्थापित किया जाए।

बैजनाथ से विधायक मुल्खराज प्रेमी ने बैजनाथ विधानसभा क्षेत्र के छोटा भंगाल में आईटीआई, संयुक्त कार्यालय और राजकीय महाविद्यालय की घोषणा के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीड़-बड़ागांव के पर्यटन की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इस सड़क का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने का आग्रह किया। उन्होंने बड़ा भंगाल में सोलर लाईट उपलब्ध करवाने के लिए भी मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैजनाथ और पपरोला के लिए उचित पेयजल सुविधा उपलब्ध करवाने का भी आग्रह किया। उन्होंने वाहनों के सुचारू संचालन के लिए बैजनाथ बाईपास बनाने का भी आग्रह किया।

जिला चंबा

विधायक भरमौर जिया लाल ने कहा कि क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए भरमाणी माता और भनोटी रज्जू मार्ग तथा भरमौर अस्पताल भवन का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को इससे सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि चंबा और भरमौर के लिए हेली-टैक्सी सेवा शुरू की जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए पांगी में पेट्रोल पंप खोलने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भरमौर अस्पताल में रेडियोलॉजिस्ट के पद भरे जाएं। उन्होंने मुख्यमंत्री का होली-उतराला सड़क को वन मंजूरी देने के लिए आभार व्यक्त किया।

चंबा के विधायक पवन नैय्यर ने कहा कि चंबा विधानसभा क्षेत्र में पिछले चार साल में 58 नई सड़कों, 5 पुलों और 15 भवनों का निर्माण किया जा रहा है और उनमें से अधिकांश का कार्य लगभग पूर्ण होने वाला है। उन्होंने कहा कि चंबा से खजियार के बीच रज्जू-मार्ग का निर्माण किया जाना चाहिए, जिससे क्षेत्र में पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से चम्बा को पर्यटन की दृष्टि से बढ़ावा देने का तथा सुल्तानपुर के लिए मलनिकासी योजना के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाने का भी आग्रह किया।

भटियात के विधायक विक्रम

शेष पृष्ठ 7 पर.....

मुख्यमंत्री ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण किया

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने जिला कांगड़ा स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा में लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण किया। यह 128 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन राज्य के मरीजों को नवीनतम निदान सुविधा प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा राज्य के प्रमुख चिकित्सा महाविद्यालयों में से एक है और प्रदेश के लगभग छः जिलों की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने लोगों को उनके घर-द्वार के समीप विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य अधोसंरचना सृजन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रगति की है। उन्होंने कहा कि राज्य में एक समय में सिर्फ 50 वेंटिलेटर थे जबकि आज टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में 165 वेंटिलेटर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान महाविद्यालय को विभिन्न कार्यों और मशीनरी के लिए 165 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालय को शीघ्र ही डिजिटल एक्सरे और डिजिटल मैमोग्राफी मशीन उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में मल्टी स्टोरी पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ मेंटल हेल्थ, सराय भवन, ट्रामा सेन्टर, नर्सिंग भवन, छात्राओं के लिए छात्रावास, एमसीएच भवन और फैकल्टी ब्लॉक के कार्य में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण किया जाएगा। उन्होंने पैदल पुल और

स्थानीय मार्ग के लिए 20-20 लाख रुपये की घोषणा की।

इसके उपरान्त मुख्यमंत्री युद्ध स्मारक धर्मशाला भी गए।

मुख्यमंत्री श्यामनगर धर्मशाला में स्वर्गीय विनोद चंद कटोच के घर भी गए और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

नगरोटा बगवां के विधायक अरूण कुमार ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि इस सीटी स्कैन मशीन के स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों की लम्बित मांग पूर्ण हुई है। उन्हांने कहा कि पिछले चार वर्षों के दौरान महाविद्यालय में पांच नए विभाग स्थापित किए गए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से चिकित्सा महाविद्यालय में मल्टी स्टोरी पार्किंग प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र की विकासात्मक मांगों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा के प्रधानाचार्य डॉ. भानु अवस्थी ने कहा कि यह संस्थान मुख्यमंत्री के उदार प्रोत्साहन से राज्य में चिकित्सा शिक्षा के अग्रणी संस्थान के रूप में उभरा है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सरवीन चौधरी, उद्योग मंत्री बिक्रम सिंह, हिमाचल प्रदेश राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष रमेश धवाला, विधायक रविन्द्र धीमान, मुल्खराज प्रेमी, विशाल नेहरिया और होशियार सिंह,उपायुक्त डॉ. निपुण जिंदल और अन्य गणमान्य लोग इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने धर्मशाला में 283.19 करोड़ रुपये लागत की 17 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कांगड़ा जिला के धर्मशाला में 283.19 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 17 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किए। इसमें 207 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित धर्मशाला स्काईवे भी शामिल है जिसका लोकार्पण मुख्यमंत्री ने किया।

जय राम ठाकुर ने 6.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित धौलाधार

कनवेशन केंद्र, उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला में 2.88 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित पार्किंग, 8.40 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित धौलाधार गार्डन, 6.50 करोड़ रुपये की लागत से अंघर महादेव मन्दिर परिसर में विकासात्मक कार्य, 97 लाख रुपये की लागत से विकसित बहुद्देशीय पार्क धर्मशाला, 10.50 करोड़ रुपये से चामुण्डा मन्दिर के जीर्णोधार कार्य, 4.63 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आर्ट एंड क्रॉफट सेन्टर रज्ञियाणा, 3.60 करोड़ रुपये से बृजेश्वरी मंदिर परिसर में सुधार कार्य, 4.35 करोड़ रुपये से माता बाघ कांगड़ा में विकास कार्य और एडीबी के अन्तर्गत 14.34 करोड़ रुपये की लागत से ज्वालामुखी में निर्मित पार्किंग का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने 3.58 करोड़ रुपये से निर्मित विलेज हार्ट कांगड़ा, दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आरएफएसएल के टाईप-4 क्वाटर, धागवार में दो करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मिल्कफेड के बिस्कुट प्लांट और 1.58 करोड़ रुपये से आरएफएसएल के डीएनए और साइबर कॉम्पलैक्स खंड का भी लोकार्पण किया।

जय राम ठाकुर ने 1.06 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले आरएफएसएल के एडवांस इंस्ट्रूमेंट लैब और 3.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड धर्मशाला की क्षेत्रीय प्रयोगशाला का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने में धर्मशाला मैकलोडगंज रोपवे मील का पत्थर साबित होगा। उन्हांने कहा कि महामारी के बावजूद इस रोपवे का निर्माण समयबद्ध पूर्ण किया गया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पर्यटकों के साथ अन्य यात्रियों को परिवहन की वैकल्पिक सुविधा उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्ध होगी। इस रोपवे का निर्माण विश्व स्तरीय नवीनतम तकनीक से किया गया है। उन्होंने इस परियोजना के निष्पादकों को दैनिक यात्रियों के लिए पास उपलब्ध करवाने की एक प्रणाली विकसित करने के लिए भी कहा।

जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार नई राहें नई मंजिलें योजना के अन्तर्गत पर्यटन की दृष्टि से अनछुए स्थलों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शिमला जिले के चाशंल को स्कीइंग और शीतकालीन खेल गंतव्य स्थल, मंडी जिला के जंजैहली को इको-टूरिज्म स्थल, कांगड़ा जिले के बीड़ बिलिंग को साहसिक खेल स्थल और पौंग डैम को जलक्रीड़ा स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजनाएं पूर्ण होने पर विश्वभर से पर्यटकों को आकर्षित करेंगी।

मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के पटवारियों को दक्षतापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के लिए लेपटाप भी वितरित किए।

विधायक प्राथमिकता बैठकें .....पृष्ठ 6 का शेष

जरयाल ने मुख्यमंत्री से भटियात विधानसभा क्षेत्र के चुवाड़ी क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग और जल शक्ति मॉडल खोलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़कों के रखरखाव और निर्माण के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में पेट्रोल पंप खोलने की आवश्यकता है और नागरिक अस्पताल चुवाड़ी को 100 बिस्तर क्षमता के अस्पताल में स्तरोन्नत करने का आग्रह किया।

जिला शिमला

चौपाल से विधायक बलबीर सिंह वर्मा ने कहा कि उनके क्षेत्र में स्नो कटर प्रदान किया जाना चाहिए और सड़कों पर क्रैश बैरियर लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल कुपवी के लिए उपयुक्त निधि प्रदान की जाए ताकि इसका कार्य शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि कुपवी में पैट्रोल पम्प और अग्निशमन केंद्र खोला जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में वन विश्राम गृहों की मरम्मत और जीणाद्धार की आवश्यकता भी जताई।

ठियोग से विधायक राकेश सिंघा ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लेते हुए कहा कि किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए सीए स्टोर के तंत्र को और बेहतर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश विपणन समिति (एचपीएमसी) द्वारा संचालित सीए स्टोर में राज्य के किसानों को अपने उत्पादों के भण्डार में प्राथमिकता दी जानी चाहिए और निजी क्षेत्र में संचालित सीए स्टोरों को भी इसके लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा जाना चाहिए। उन्होंने किसानों को उच्च घनत्व वाली फसलों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता भी जताई। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों के दृष्टिगत ठियोग में प्रमुख जिला अस्पताल खोलने की भी आवश्यकता जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारकंडा और मतियाणा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्तरोन्नत करने का भी आग्रह किया।

कसुम्पटी के विधायक अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि विधायक प्राथमिकता में शामिल मुख्य सड़कों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात संकुलता से निजात पाने के दृष्टिगत लक्कड़ बाजार स्थित बस अड्डे को ढली में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री खेल योजना के अन्तर्गत जिम खोलने के लिए निधि का प्रावधान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मल्याणा में छात्रा महाविद्यालय खोला जाना चाहिए।

शिमला ग्रामीण से विधायक विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि विस्तृत योजना रिपोर्ट तैयार करने में देरी के कारण विधायक प्राथमिकता की कुछ सड़कें अभी भी लम्बित हैं। उन्होंने कहा कि शकरोड़ी, सुन्नी इत्यादि पंचायतों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्रों में कोल बांध से पेयजल आपूर्ति की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शोघी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि उनके विधानसभा क्षेत्र एक शूटिंग रेंज खोलने की योजना थी, जिसे उपयुक्त स्थान पर शीघ्र स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रोगी कल्याण समितियों के तहत खण्ड विकास अधिकारियों को कुछ वित्तीय शक्तियां अवश्य प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शोघी में एक दुग्ध एकत्रीकरण केन्द्र और बसन्तपुर में सब्जी मण्डी खोली जानी चाहिए।

जुब्बल-कोटखाई से विधायक रोहित ठाकुर ने कहा कि उनके क्षेत्र की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि खड़ापत्थर सुरंग का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि उनके क्षेत्र को सभी मौसमों में सड़क सम्पर्क सुनिश्चित हो सके और इससे शिमला से रोहड़ू की दूरी लगभग 12 किलोमीटर कम होगी। उन्होंने कहा कि सड़कों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में क्रैश बैरियर का प्रावधान जोड़ा जाना चाहिए ताकि सड़कें और सुरक्षित हो सकें। उन्होंने उच्च घनत्व वाले पौधरोपण को अनुदान के अन्तर्गत लाने की आवश्यकता भी जताई। उन्होंने कहा कि बागवानों की सुविधा के लिए खड़ापत्थर में कोल्ड स्टोर स्थापित किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के उपमण्डल कोटखाई में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध करवाने और घुंघलीधार स्थित 22 के.वी. पावर कंट्रोल सेंटर की मुरम्मत और रख-रखाव का भी आग्रह किया। उन्होंने मुख्यमंत्री से क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने का भी आग्रह किया।

रोहड़ू से विधायक मोहन लाल बराक्टा ने कहा कि विधायक निधि और ऐच्छिक निधि बढ़ाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल रोहड़ू के नवनिर्मित भवन का शीघ्र लोकार्पण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिक अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने के अतिरिक्त एक्स-रे और अल्ट्रा मशीनें उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संदासू को नागरिक अस्पताल में स्तरोन्नत तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र समरकोट को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में स्तरोन्नत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डोडरा-क्वार जाने वाली सड़क का उचित रख-रखाव किया जाना चाहिए और डोडरा-क्वार के स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चिड़गांव में अग्निशमन केन्द्र खोला जाना चाहिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त प्रबोध सक्सेना ने मुख्यमंत्री और इस अवसर पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए विधायकों से अपने बहुमूल्य सुझाव देने का आग्रह किया ताकि इन्हें वर्ष 2022-23 के बजट में सम्मिलित किया जा सके।

मुख्य सचिव राम सुभग सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव निशा सिंह, आर.डी. धीमान और जे.सी. शर्मा, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, पीसीसीएफ अजय श्रीवास्तव, प्रधान सचिव आर. डी. नज़ीम, सुभाशीष पांडा, भरत खेड़ा और देवेश कुमार, सचिव डॉ. अजय शर्मा, राजीव शर्मा, अमिताभ अवस्थी और एस.एस. गुलेरिया तथा योजना सलाहकार डॉ. बासु सूद बैठक में उपस्थित रहे, जबकि विभिन्न विभागाध्यक्षों, उपायुक्तों एवं अन्य अधिकारियों ने वीडियो कांफेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री बलदेव शर्मा द्वारा ऋचा प्रिंटर्ज एण्ड पब्लिशर्ज़ रिवोली बस अड्डा लक्कड़ बाजार शिमला से प्रकाशित व मुद्रित दूरभाष: 0177-2805015, 94180-15015 फैक्स: 2805015

शिमला स्मार्ट सिटी परियोजना के पूरा होने पर उठने लगे सवाल

- एनजीटी के फैसले के बाद प्राइवेट निवेशक नहीं आ रहे आगे
- क्या हजारों करोड़ का कर्ज लेकर पूरी की जानी चाहिए यह योजना

शिमला/शैल। नगर निगम शिमला के चुनाव से पहले इसके वार्डो की संख्या 34 से बढ़ाकर 42 की जा रही है। निगम क्षेत्र के साथ लगते छ: पंचायतों के कुछ क्षेत्रों को इसमें मिलाकर नगर निगम का एरिया बढ़ाया जा रहा है। निगम प्रशासन का यह दावा है कि इन क्षेत्रों से इस आशय की मांग आयी है। जिसे स्वीकार करके शहरी विकास निदेशालय को भेज दिया गया है। माना जा रहा है कि सरकार जल्द ही इस प्रस्ताव को मानकर जिला प्रशासन से इसका पुन: सीमांकन करवा देगी। दूसरी ओर इस वार्ड बढ़ौतरी के खिलाफ ग्रामीण क्षेत्रों और शहर के भीतर भी दोनों तरफ रोष है। यह रोष इसलिए है कि निगम प्रशासन इस समय लोगों को आवश्यक सेवाओं की पूर्ति नियमित रूप से नहीं कर पा रहा है तो एरिया बढ़ने पर कैसे कर पायेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में इसको लेकर रोष है कि नगर निगम में शामिल होते ही उन पर वह सारे शुल्क लागू हो जायेंगे जो निगम में देय हैं। यह रोष एकदम सही है और यह बढ़ौतरी कुछ राजनेताओं अधिकारियों के इशारे पर हो रही है। क्योंकि इन क्षेत्रों में कुछ बड़े राजनेताओं और अधिकारियों की संपत्तियां हैं। जिनके लिए निगम क्षेत्रों में मिलने वाली सुविधायें चाहिए।

इस समय की व्यवहारिक स्थिति यह है कि शिमला को स्मार्ट सिटी योजना के तहत लाया गया है। इस पर 2905 करोड़ का निवेश होगा। यहां पर दो सवाल खड़े होते हैं कि यह निवेश आयेगा कहां से और स्मार्ट सिटी को अवधारणा क्या है। स्मार्ट सिटी को इस तरह से परिभाषित किया गया है कि A smart city uses information and communication technology (ICT) to improve operational efficiency, share information with the public and provide a better quality of government service and citizen welfare. इसअवधारणा से स्पष्ट हो जाता है कि स्मार्ट सिटी के लिए जिस तरह के प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाना है उसके लिये निजी क्षेत्र की सेवाएं लेनी ही पड़ेगी। क्योंकि सब कुछ डिजिटल होना है। इसके लिये निजी क्षेत्र को जो पैसा दिया जायेगा उसका प्रबंध स्मार्ट सिटी प्रशासन को करना होगा। प्रशासन इसे उपभोक्ताओं से वसूलेगा। इस वसूलने में सारी सेवाएं बहुत महंगी हो जायेंगी। उस समय यह सामने आयेगा कि उपभोक्ता यह महंगी सेवायें ले पायेंगे या नहीं। निगम प्रशासन के पास आज ही आर्थिक साधन नहीं है। इस समय जलापूर्ति और गारवेज तथा स्ट्रीट लाइटों का प्रबंधन प्राइवेट सेक्टर के पास है और यह सेवायें लगातार महंगी होती जा रही है और सुचारू रूप से उपलब्ध भी नहीं हो पा रही हैं।

स्मार्ट सिटी परियोजना 2905 करोड़ की है। जिसमें केंद्र ने सिर्फ 500 करोड़ देने की बात की है। शेष 2500 करोड का प्रबंध सरकार और प्रबंधन को कर्ज उठाकर करना पड़ेगा। स्मार्ट सिटी के लिये नये निर्माण करने होंगे। लेकिन पर्यावरण संरक्षण और शिमला की भूकंपीय स्थिति को सामने रखते हुए एनजीटी ने यहां नये निर्माणों पर प्रतिबंध लगा रखा है। प्रदेश उच्च न्यायालय और प्रदेश सरकार को अनुमति नहीं दी गयी है। ऐसे स्मार्ट सिटी के नाम पर कैसे अनुमति मिल पायेगी यह सवाल बना हुआ है। एनजीटी के फैसले के कारण प्राइवेट क्षेत्र स्मार्ट सिटी में निवेश के लिए आगे नहीं आ रहे है। प्रदेश सरकार भी अपने साधनों से इतना निवेश करने की स्थिति में नहीं है। फिर स्मार्ट सिटी पर इतना निवेश करने के बाद भी यहां के हर घर तक फायरबिग्रड और एंबुलेंस सेवा नहीं पहुंच पायेगी। ऐसे में यह सवाल बड़ा होता जा रहा है कि इतना कर्ज लेकर स्मार्ट सिटी बनाई जानी चाहिए? क्या नये क्षेत्रों को मिलाने से यह निवेश की समस्या सुलझ पायेंगी? क्या स्मार्ट सिटी प्रशासन के पास इतने कर्ज का ब्याज चुकाने और इसके लिए इस्तेमाल होने वाली प्रौद्योगिकी की सेवाओं का भार उठाने के संसाधन हो पायेंगे। इस परिदृश्य में आशंका बनी हुई है कि कहीं यह परियोजना बीच में ही बंद न हो जाये।

क्या हमीरपुर नालागढ़ में पकड़ी गयी शराब फैक्ट्रियां अवैध थी

- इस सवाल का जवाब क्यों नहीं आ रहा है
- आबकारी विभाग का तंत्र क्या कर रहा था
- राजनेता इन सवालों पर चुप क्यों है

शिमला/शैल। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह जिले मण्डी के सलापड में जहरीली शराब से सात लोगों की मौत हो गयी और एक दर्जन उपचाराधीन चल रहे हैं। इस घटना से प्रदेश के सियासी हल्कों में भूचाल आना स्वभाविक था। क्योंकि यह चुनावी वर्ष है और कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ आरोप पत्र तैयार करने के लिए एक कमेटी गठित कर दी है। इस आरोप पत्र में शराब और खनन माफिया विशेष मुद्दे रहने वाले हैं। ऐसे में जब ऐसा कांड घट जायेगा तो उस पर राजनीतिक रोटियां तो सेकी ही जायेंगी। यह स्वाभाविक और तय है इसलिए भाजपा और कांग्रेस दोनों एक दूसरे पर आरोप दागने में व्यस्त हो गये हैं। इस व्यस्तता में यह कांड अपने अंतिम निष्कर्ष पर पहुंच पायेगा और इसके असली गुनहगारों को सजा मिल पायेगी यह देखना दिलचस्प होगा। क्योंकि जैसे ही यह कांड घटा सरकार ने तुरंत प्रभाव से एसआईटी गठित करके जांच आदेशित कर दी और 72 घटों में ही पुलिस ने इस कांड के कुछ दोषियों को दबोच लिया। एसपी मंडी और एसपी हमीरपुर ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई इसमें। इस जांच में यह सामने आया कि यह जहरीली शराब हमीरपुर में उस स्थान पर बन रही थी जो एसपी आवास से करीब डेढ़ किलोमीटर के फासले पर था। शराब की इस फैक्ट्री के संचालकों में हमीरपुर कांग्रेस के जिला महामंत्री नीरज ठाकुर और एनएसयूआई के पूर्व जिला प्रधान प्रवीण ठाकुर के नाम सामने आये हैं। इनके अतिरिक्त अलीगढ़ उत्तर प्रदेश के सनी और पुष्पेंद्र दिल्ली के सागर सैनी जम्मू कश्मीर के ए के त्रिपाठी तथा पालमपुर के गौरव मिन्हास का शामिल होना पाया गया है। इन लोगों से पूछताछ में यह सामने आया कि नालागढ़ में भी इसी तरह की फैक्ट्री चल रही है। यहां से भी सामान पकड़ा गया और लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं । इस कांड में एक दर्जन लोगों की गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

इस कांड पर डीजीपी संजय कुंडू ने एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता में यह कहा है कि यह जांच चल रही है कि इस शराब के निर्माण में इसमें पढ़ने वाली सामग्री की मिक्सिंग गलत तरीके से हुई है या जो स्प्रिट इसके लिए खरीदी वह सही नहीं थी। अब तक हुई जांच में वह सब लोग पकड़े गये जिनकी इसमें किसी भी तरह की भागीदारी रही है। लेकिन अभी तक यह मूल प्रश्न अनतारित है कि क्या यह शराब की फैक्ट्री अवैध रूप से ऑपरेट कर रही थी। क्योंकि यदि कोई फैक्ट्री ही अवैध रूप से चल रही है तो इसका सीधा सा अर्थ है कि सरकार के रिकॉर्ड पर इसका कोई पंजीकरण वगैरा है ही नहीं। यदि ऐसा है तो यह पूरे प्रशासन पर एक गंभीर सवाल होगा। यह सवाल भी बना हुआ है कि यह फैक्ट्रियां चल कब से रही थी। यदि इन फैक्ट्रियों का पंजीकरण है और इनको शराब बनाने का लाइसेंस मिला हुआ है तो अवैधता का आरोप वही खत्म हो जाता है। इसके बाद दूसरा सवाल इनकी गुणवत्ता का आता है और गुणवत्ता जांचने के लिए पूरा तंत्र खड़ा किया हुआ है। शराब के कारखानों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुये हैं आने वाले हर समान की चैकिंग होती है। शराब की हर बोतल और पेटी के निरीक्षण के निर्देश हैं। और यह आबाकारी विभाग की जिम्मेदारी है। फैक्ट्री कितनी शराब बनायेगी यह पहले से तय रहता है। इस प्रकरण में आबकारी विभाग की भूमिका क्या रही है यह भी अभी तक सामने नहीं आया है। इसमें जो सामान पकड़ा गया वह कहां से खरीदा गया इसको बनाने का फार्मूला किसका था यह कोई बड़े गंभीर सवाल नहीं है। क्योंकि शराब बनाने के लिए यह स्वभाविक समान है जो कहीं से तो लिया ही जाना था। यदि यह सामान भी अवैध रूप से बेचा गया है तभी इन लोगों को भी इसमें सम्मिलित माना जायेगा अन्यथा नहीं।

इस कांड में लोगों की मौत हुई है। इसके डीजीपी के मुताबिक दो ही कारण हो सकते हैं। पहला की सामान की मिक्सिंग गलत हुई हो और दूसरा स्प्रिट सही न हो। यह दोनों बिंदु अभी जांच में चल रहे हैं। जब तक इस पर रिपोर्ट नहीं आ जाती तब तक मौत के कारणों का पता नहीं चलेगा। लेकिन इस पर जिस तरह से राजनीति की जा रही है उससे यह आशंका बराबर बढ़ती जा रही है कि यह प्रकरण भी राजनीतिक ब्यानबाजी के नीचे दब कर ही रह जायेगा। क्योंकि यदि यह फैक्टरीयां अवैध रूप से ही चल रही थी तो सरकार और उसका तन्त्र अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। क्योंकि उसका अर्थ होगा कि राजनेता किसी भी सरकार में कुछ भी अवैध कर सकते हैं। यदि फैक्ट्रियां अवैध नहीं है तो फिर बड़ा दोष विभाग पर आयेगा कि उसका निगरान तंत्र क्या कर रहा था। क्योंकि शराब का कारोबार करने वाला किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य हो सकता है।